6. वाक्य ज्ञान

वर्ण, शब्द तथा वाक्यों के द्‌वारा भाषा पूर्ण होती है। सार्थक शब्दों के उचित क्रम में जुड़ने से एक सार्थक वाक्य बनता है। वह प्रत्येक वाक्य जो एक निश्चित अर्थ दे, एक सार्थक वाक्य कहलाता है।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को वाक्य रचना के बारे में समझाएँ।
- बताएँ, हम अपनी बात वाक्यों के द्‌वारा ही करते हैं। पर शब्दों को उलटे-सीधे क्रम में जोड़ने से वाक्य अशुद्‌ध हो जाता है।
- बच्चों से छोटे-छोटे वाक्य बुलवाएँ।
- समझाएँ, जिस वाक्य का कोई अर्थ न निकले, वह शुद्‌ध वाक्य नहीं होता। शुद्‌ध शब्दों के उचित क्रम में जुड़ने से ही शुद्‌ध वाक्य की रचना होती है, जो अपना एक अर्थ भी बताता है।
- कक्षा में दो बच्चों को सामने खड़ा करके उनसे आपस में बातचीत करने को कहें। इस प्रकार बच्चे आपस में छोटे-छोटे शब्दों को जोड़कर स्वयं ही वाक्य बनाना सीखेंगे। यदि बच्चों के वाक्यों में शब्दों का क्रम सही न हो तो आप सही क्रम बताएँ।
- पाठ पृष्ठ पर दिए गए अभ्यास बच्चों से ही करवाएँ। यदि उन्हें कुछ असुविधा हो तो आप विषय दोबारा समझाते हुए उनकी सहायता करें।
- ब्लैकबोर्ड पर कुछ वाक्य लिखें जिनके शब्दों का क्रम उलटा-पुलटा हो फिर बच्चों से उन्हें सही करने को कहें। इस अभ्यास द्‌वारा बच्चे जान पाएँगे कि वाक्य में पहले क्या आता है और बाद में क्या शब्द जुड़ता है।